‘पूर्वी यूपी के सपनों को साकार कर रही प्रदेश सरकार’

अवधी भाषा में अभिवादन कर प्रधानमंत्री ने लोगों से लिया आशीर्वाद, 16 दिसंबर से होगी प्राकृतिक खेती की शुरुआत

संवाद न्यूज एजेंसी

40 वर्षों से लटक रही परियोजना चार वर्षों में हुई पूरी

बलरामपुर। सदर ब्लॉक के हंसुवाडोल गांव में शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रिमोट का बटन दबाकर सरयू नहर राष्ट्रीय परियोजना किसानों को समर्पित की। बटन दबाते ही राप्ती बैराज से नहर में पानी का प्रवाह शुरू हो गया।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार ने पूर्वी उत्तर प्रदेश के सपनों को साकार करने में कोई कोरकसर नहीं छोड़ रखी है। इस ऐतिहासिक क्षण की साक्षी बनी बलरामपुर की धरती जोकि मां पाटेश्वरी की पावन भूमि है, और छोटी काशी के नाम से जानी जाती है मैं उसे प्रणाम करता हूं।

प्रधानमंत्री ने अवधी भाषा में कहा कि इस पावन धरती पर आवे का दोबारा मौका मिला। आपने हमें खूब आशीर्वाद दिया है और आगे भी देते रहेंगे। धरती क्रांतिकारियों की धरती रही है। पूर्व की सरकारों की उपेक्षा के कारण पूर्वांचल के विकास की सबसे बड़ी परियोजना दशकों तक अधूरी रही। हमारी संकल्प तथा डबल इंजन की सोच ईमानदार, काम दमदार वाली सरकारों ने इस परियोजना को साढ़े चार सालों में पूरा कर दिखाया है।

उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों की लेटलतीफी के कारण यह परियोजना 40 वर्षों से लटकी रही। यह नहर पूर्वांचल के 9 जिलों के 30 लाख किसानों की करीब 15 लाख हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि को सिंचित करेगी। कहा कि इस नहर से पांच नदियों को जोड़कर न केवल अटल जी के नदी जोड़ो सपने को पूरा किया गया बल्कि इससे बाढ़ पर भी प्रभावी नियंत्रण होगा। घाघरा, सरयू, राप्ती, बाणगंगा व रोहिन नदी से हर साल होने वाली भारी तबाही को इस नहर से नियंत्रित किया जा सकेगा। देश के संसाधनों का अपमान हमें बर्दाश्त नहीं है।

बलरामपुर में लोगों का अभिवादन स्वीकार करते पीएम नरेन्द्र मोदी व अन्य। -संवाद

किसानों को आय दोगुनी करने का दिया मंत्र

अपने उद्बोधन में प्रधानमंत्री किसानों को आय दोगुनी करने का हर संभव मंत्र देते नजर आए। उन्होंने कहा कि बीते दिनों गोरखपुर खाद कारखाना, एम्स व वायरस जनित रोगों की जांच व शोध के लिए अत्याधुनिक प्रयोगशाला का शुभारंभ कर हमने पूर्वांचल को देश की विकास के मुख्यधारा से जोड़ने का सपना पूरा कर दिखाया है। हमने दो हेक्टेयर से कम रकबे वाले किसानों के जीवन में खुशहाली लाने का हरसंभव प्रयास किय है। दुग्ध उत्पादन में हम विश्व में अग्रणी है। पिछले सात वर्षों में शहद की निर्यात भी दोगुना बढ़ा लिया है। हमारे किसान भाई पशुपालन व मधुमक्खी पालन करें। आगामी 16 दिसंबर से हम देश में जीरो बजट वाली प्राकृतिक खेती का शुभारंभ कर रहे है। किसान इसे अपनाकर अपनी आय व उपज की गुणवत्ता उत्तम बनाएं। प्राकृतिक खेती के तरीके को अपने टीवी व कृषि विज्ञान केंद्रों में जाकर जरूर देखें। इस मौके पर केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी किसानों को संबोधित करते हुए सरयू नहर परियोजना को पूर्वांचल के लिए बड़ी सौगात बताया।

यूपी के लोग कहते हैं...फर्क साफ है

पहले की सरकार माफियाओं के लिए काम करती थी, लेकिन योगी सरकार माफियाओं को खत्म करने के लिए जुटी है। पहले की सरकार बाहुबलियों को बढ़ाती थी, योगी सरकार दलित-गरीब, पिछड़े व आदिवासियों को सशक्त बनाने में सक्रिय है। इसलिए उत्तर प्रदेश के लोग कहते हैं कि फर्क साफ है।

किसानों को नुकसान के लिए कांग्रेस और सपा-बसपा जिम्मेदार

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, परियोजना की इतनी देरी से किसानों को अरबों-खरबों का नुकसान हुआ है। इसके लिए कांग्रेस, सपा और बसपा जिम्मेदार हैं। प्रधानमंत्री ने 8 दिसंबर को हेलीकॉप्टर हादसे में अपनी जान गवाने वाले भारत के पहले प्रमुख सीडीएस विपिन रावत तथा तेरह अन्य शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

परियोजना बाढ़ से भी दिलाएगी छुटकारा : योगी

राप्ती, सरयू, घाघरा, बानगंगा एवं रोहिणी नदियों को जोड़कर बनी इस नहर परियोजना से 9 जिलों में सिंचाई की सुविधा मिलने के साथ ही बाढ़ की तबाही से छुटकारा मिलेगा। नेपाल के सीमावर्ती क्षेत्र में यह परियोजना पूर्ण होने से यहां पर्यटन की अपार संभावनाएं भी बढ़ेंगी। सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि अपने पिछले कार्यकाल में प्रधानमंत्री ने लंबित 99 परियोजनाओं को पूरा करने निर्णय लिया था। इनमें से 63 परियोजनाएं या तो पूरी हो चुकी हैं या फिर पूरी होने वाली हैं। सरयू नहर परियोजना से फसलों की सिंचाई कर 9 जिलों के करीब 30 लाख किसान 25 लाख टन अतिरिक्त अन्न का उत्पादन करके 50 हजार करोड़ रुपये की आय प्राप्त करेंगे। उन्होंने लोगों से एक-एक बूंद पानी सहेजने की अपील भी की। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि सरयू नहर परियोजना के कार्यक्रम में जो जन सैलाब उमड़ा है वह अविस्मरणीय है। चुवानी मोड में दिखे डिप्टी सीएम ने कहा कि हर बूथ पर ईवीएम मशीन कमल फूल से लबालब होनी चाहिए। यदि कमल न खिला होता तो देश में न तो राम मंदिर का निर्माण होता और न अनुच्छेद 370 समाप्त होता। सभा का संचालन जलशक्ति मंत्री डॉ. महेंद्र सिंह ने किया और परियोजना पर प्रकाश डाला। सहकारिता मंत्री मुकुट बिहारी वर्मा, कानून मंत्री बृजेश पाठक, जलशक्ति राज्य मंत्री बलदेव सिंह ओलख, राज्यमंत्री पल्टूराम, कैसरगंज सांसद बृजभूषण शरण सिंह, गोंडा सांसद कीर्तिवर्धन सिंह ने भी संबोधित किया।

सरयू नहर राष्ट्रीय परियोजना एक नजर में

परियोजना 1978 में लेफ्ट बैंक घाघरा कैनाल परियोजना लागत 78.68 करोड़ रुपये से स्वीकृत हुई थी। इसके माध्यम से बहराइच व गोंडा के 3.12 लाख हेक्टेअर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता बढ़ाने का लक्ष्य था। वर्ष 1982-83 में परियोजना को परिमार्जित करते हुए पूर्वी उत्तर प्रदेश के बहराइच, गोंडा, श्रावस्ती, बलरामपुर, बस्ती, सिद्धार्थनगर, संतकबीर नगर, गोरखपुर व महराजगंज में सिंचाई सुविधा उपलब्ध करने के लिए सरयू नहर परियोजना का गठन किया गया। इस परियोजना से 14.04 लाख हेक्टेअर सिंचाई क्षमता का सृजन किए जाने का लक्ष्य है। इसकी तुलना में दिनांक 31 अक्टूबर 2021 तक 12.61 लाख हेक्टेअर सिंचाई क्षमता सृजित की जा चुकी है। शेष 1.42 लाख हेक्टेअर सिंचाई क्षमता माइक्रो इरीगेशन पद्धति से प्रस्तावित है।

25021.94

हेक्टेअर भूमि अर्जित की गई है परियोजना के लिए